शिवाजी विश्वविदयालय ,कोल्हापुर
हिंदी विभाग

12वीं पंचवार्षिक योजनांतर्गत का नवीन पाठ्यक्रम

(अकादमिक लचीलापन योजनांतगर्त का नवीन पाठयक्रम:सत्र परीक्षा तथा क्रेडिट पद्धति)

(समय समय पर परिवर्तन संभव)

का ड्राफ्ट

एम.ए. : भाषा प्रौद्योगिकी

एम.ए.भाग I,II

सत्र परीक्षा I,II,III,IV

जून,2016 से

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी विभाग

एम.ए : भाषा प्रौद्योगिकी

आज हिंदी विश्व भाषा के पद पर विराजित है। हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनाने के लिए भारत सरकार का निरंतर प्रयास जारी है। हिंदी के विश्वव्यापी स्वरूप को ध्यान में लेते हुए स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षित करना आवश्यक है । सूचना क्रांति के जमाने में हिंदी आंतरताना (इंटरनेट)पर अपना अधिकार जमा चुकी है । हिंदी का साहित्य समृद्ध है । हिंदी ने साहित्य और समाज के बीच के रिश्ते की अहमियत बनाए रखी है। इन सारी बातों पर गंभीरता से विचार कर एम.ए. 'भाषा प्रौद्योगिकी' का 'स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम 'बनाया है।

आज भारत के बाहर लगभग 154 देशों में हिंदी पढ़ाई जाती है। इसमें प्रवासी भारतीयों के साथ स्थानीय छात्र भी हिंदी का अध्ययन करते हैं। हमारे छात्रों को विदेशों में भी नौकरी की संभावनाए हैं। आज अनेक साफ्टवेयर तैयार किए गए हैं। एम. ए. हिंदी के छात्र हिंदी साहित्य के पारंपरिक स्वरूप तथा उनकी विशेषताओं तथा साहित्य कृतियों के साथ-साथ उसके अधुनातन स्वरूप आयामों से परिचित होंगे और बेहतर भविष्य की संभावनाओं को लेकर चलेंगे। हिंदी के वैश्विक स्थान और उसके प्रचार-प्रसारादि के कारण छात्रों के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे। वर्तमान में भाषा प्रौद्योगिकी विषय ने विश्व स्तर पर अपनी एक पहचान बनाई है। इससे साहित्य को सुरक्षित रखने की अनेक नव-नवीन संभावनाएँ निर्माण तथा विकसित हुईं हैं। आज अनेक बोली भाषाएँ मरती जा रही हैं। उन्हें यदि हम अंकीकरण के माध्यम से धृति रूप में तैयार करते हैं तो यह उनकी भी सुरक्षा के लिए उपयुक्त रहेगा। इसलिए रोजगार उपलब्धि ,भारत सरकार की राजभाषा हिन्दी नीति, भारत सरकार के राजभाषा विभाग के हिन्दी तथा भारतीय भाषा सोफ्टवेयर्स विकास की योजनाएँ, अंकीय रूप में साहित्यिक रचनाओं की प्रस्तुति आदि का लाभ अध्यापन में नवीनता लाने के इस तरह के प्रयास में उचित होगा। संगणक क्षेत्र, बैंक, वैद्यक, शिक्षा, प्रशासकीय कार्यालय आदि अनेक क्षेत्रों में हिंदी का अद्वितीय स्थान है । आज विश्व साहित्य की संकल्पना इतनी विकसित हुई कि विश्व साहित्य संकल्पना से 'अनुवाद'शब्द भी गहराई से जुडता गया। इन सभी बातों को केंद्र में रखकर छात्रोंपयोगी **एम.ए. 'भाषा प्रौद्योगिकी'** पाठ्यक्रम प्रस्तुत है।

पाठ्यक्रम शीर्षक - एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी

पात्रता - प्रस्तुत पाठ्यक्रम में शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के बी.ए. हिन्दी उत्तीर्ण छात्र तथा दूसरे विश्वविद्यालयों के और विदेशी छात्र जो बी. ए. द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हों वे प्रवेश ले सकते हैं। बी.एस्सी, बी. कॉम, के छात्र आध्यापन क्षेत्र परिवर्तन हेतु प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर एम.ए हिन्दी पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

प्रवेश प्रक्रिया : पात्र छात्रों की मेरिट लिस्ट शिवाजी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www. Unisivaji.ac.in पर दी जाएगी।

विद्यार्थी संख्या क्षमता - 15+5

पाठ्यक्रम की अवधि :

चार सत्र परीक्षाओं के दो वर्ष
प्रत्येक सत्र की अवधि छः महीने
सत्र परीक्षा I और III जून से नवंबर और सत्र परीक्षा II और IV दिसंबर से मई

अध्यापक :

- हिन्दी विभाग के सभी अध्यापक
- अन्य विश्वविद्यालय से आमंत्रित विशेषज्ञ
- सी- डैक, पुणे तथा प्रौद्यगिकी संस्थाओं के विशेषज्ञ
- शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर से जुड़े अवकाशप्राप्त तथा कार्यरत आमंत्रित अध्यापक

पाठ्यक्रम अध्यापन पद्धति :

- व्याख्यान /आमंत्रित विद्वानों के व्याख्यान
- संगोष्ठी - चर्चासत्र
- दृक-श्राव्य माध्यमों - साधनों का प्रयोग

प्रश्न पत्र का प्रारूप :

- प्रत्येक सत्र परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 80 अंक प्रश्न पत्र के और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के रहेंगे।
- मूल्यांकन क्रेडिट पद्धति से होगा।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र 4 इकाईयों (Unit) का होगा।
- प्रत्येक इकाई के 15 व्याख्यान रहेंगे।
- प्रत्येक इकाई के 15 व्याख्यान का 1 क्रेडिट होगा।
- प्रत्येक सत्र परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। सभी प्रश्नपत्र अनिवार्य
- सत्र परीक्षा - प्रश्न क्रं 8/16 प्रायोगिक / परियोजना कार्य तथा मौखिक परीक्षा

  अंक विभाजन = 40 + 40+ 20

  परियोजना कार्य : सी-डैक,पुणे/संगणक शास्त्र विभाग/ हिन्दी विभाग

प्रश्नपत्र I से VII और IX से XV तक के प्रश्नपत्रों के लिए प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्रश्नपत्र का प्रारूप : कुल अंक 100 (80 अंक प्रश्नपत्र : 20 अंक अंतर्गत)

प्रश्न क्र. 1 बहुविकल्प प्रश्न - 10	अंक : 20
प्रश्न क्र. 2 लघुत्तरी प्रश्न 6 में से 4	अंक : 20
प्रश्न क्र. 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्न क्र. 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा निबंधवत प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	अंक : 20
प्रश्नपत्र VIII और XVI	
प्रायोगिक तथा परियोजना कार्य	100 अंक

Shivaji University, Kolhapur

Dept. of Hindi

M.A. Language Technology

एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी

M.A. Part- I & II

Fee Chart 2016-17

		M.A. Part- I			M.A. Part- II		
Sr. No.	Particulars	Paying	EBC/PTC/ STC/Maje Saineek/F.F.	S.C./N.T./ S.T. S.B.C./ O.B.C.	Paying	EBC/PTC/ STC/Maje Saineek/F.F.	S.C./N.T ./S.T. S.B.C./ O.B.C.
1	Admission Fee	20	20	0	20	20	0
2	Registration Fee	100	100	0	100	100	0
3	Gymkhana Fee	80	0	0	80	0	0
4	Ashwamedha Fee	24	24	0	24	24	0
5	Library Fee	100	0	0	100	0	0
6	Laboratory Fee	800	800	800	800	800	800
7	Yuvak Mahotsaav Fee	35	35	0	35	35	0
8	S.A.F.	25	25	25	25	25	25
9	LIB. DEP.	200	200	200	0	0	0
10	LABO. DEP.	0	0	0	0	0	0
11	Tution Fee	1000	0	0	1000	0	0
12	Vikas Nidhi	100	100	100	100	100	100
13	F.N.D.	10	10	0	10	10	0
14	Tutorial Fee	0	0	0	0	0	0
15	S.S.I.	25	25	25	25	25	25
16	Internet Fee	300	300	0	300	300	0
17	MEDI. FEE.	100	100	0	100	100	0
18	Placement Fee (FOR PART II/III/IV STUD.)	0	0	0	100	100	100
19	ALLU. ASSO. FEE.	50	50	50	50	50	50
20	E-Service Fee	50	50	0	50	50	0
21	C.L.M.C.FEE	30	30	30	0	0	0
22	Self Finance Unit Fee	10	10	10	10	10	10
		3059	**1879**	**1240**	**2929**	**1749**	**1110**

- Laboratory Fee :- Rs. 800/- For M.A. Hindi Part – I & II

एम. ए. भाग 1

सत्र परीक्षा I

प्रश्नपत्र I - भाषा प्रौद्योगिकी

उद्देश्य :

- भाषा प्रौद्योगिकी के स्वरुप से छात्रों को अवगत कराना।
- भाषा प्रौद्योगिकी के उद्भव तथा विकास पर प्रकाश डालना।
- विज्ञान, अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी का स्वरुप और उसका साहित्य के साथ अत: संबंध समझाना।
- भाषा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र तथा उसकी उपयोगिता की जानकारी लेना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - भाषा प्रौद्योगिकी : स्वरूप

इकाई 2 - Unit 2 - भाषा प्रौद्योगिकी : उद्भव तथा विकास

इकाई 3 - Unit 3 - विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी तथा साहित्य

इकाई 4 - Unit 4 - भाषा प्रौद्योगिकी : क्षेत्र तथा उपयोगिता

संदर्भ पुस्तकें :

- दीक्षित सूर्यप्रसाद, भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा-प्रबंधन, किताबघर प्रकाशन,दिल्ली
- डॉ. प्रसाद विनोदकुमार, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली : द्वितीय संस्करण - 2008
- प्रभु पंढरीनाथ, भारत में शास्त्रों का उद्भव और विकास,
- हिन्दी के विविध विश्वकोश
- कानेंट जेम्स बी. , विज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- Mac Graw Hill Enoclopaedia of Science and Technology.

प्रश्नपत्र II

भाषा का इतिहास

उद्देश्य :

- भाषा के स्वरूप पर प्रकाश डालना।
- भाषा के विविध रूपों से तथा हिंदी भाषा से छात्रों को अवगत कराना।
- देवनागरी लिपि का स्वरुप तथा हिंदी भाषा का मानकीकरण को समझाना।
- हिंदी के सांविधानिक स्थान को स्पष्ट करना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - भाषा का स्वरूप

इकाई 2 - Unit 2 - भाषा के विविध रूप तथा हिंदी भाषा

इकाई 3 - Unit 3 - देवनागरी लिपि तथा हिंदी भाषा का मानकीकरण

इकाई 4 - Unit 4 - हिंदी का सांविधानिक स्थान

संदर्भ पुस्तकें :

- तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल एजेन्सीज, इलाहाबाद : संस्करण 2000
- डॉ. वत्स जितेंद्र, डॉ. सिंह देवेन्द्र प्रसाद,भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा, निर्मल पब्लिकेशन्स,**नई** दिल्ली, 2009
- डॉ**.** श्रीमाल नेमीचन्द,भाषा विज्ञान, श्रुति पब्लिकेशन्स, जयपुर : प्रथम संस्करण 2008
- तिवारी भोलानाथ – हिंदी भाषा, किताब महल एजेन्सीज, इलाहाबाद : संस्करण 1999
- डॉ. रामप्रकाश, डॉ. गुप्त दिनेश कुमार – अनुप्रयोगात्मक हिन्दी, राधाकृष्ण प्रकाशन, **नई** दिल्ली. 2013
- डॉ. वासवाणी किशोर,राजभाषा हिंदी : विवेचना और प्रयुक्ति, वाणी प्रकाशन

प्रश्नपत्र III

संगणक का इतिहास, संरचना तथा संगणक कार्यान्वयन

उद्देश्य:

- संगणक के इतिहास तथा पीढ़ियों की जानकारी देना।
- संगणक के स्वरूप तथा विकास पर प्रकाश डालना।
- संगणक की संरचना से छात्रों को अवगत कराना।
- संगणक की विविध परिचालन प्रणालियाँ : डॉस, विंडोज, लिनक्स, युनिक्स आदि का परिचय कराना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - संगणक का इतिहास तथा विकास

इकाई 2 - Unit 2 - संगणक की संरचना, परिचालन प्रणालियाँ

इकाई 3 - Unit 3 - संगणक की अंकीय प्रणाली, कूट प्रणाली

इकाई 4 - Unit 4 - संगणक की संसाधन भाषाएँ

संदर्भ पुस्तकें :

- Achuthan Saral, Agrawal B. C. (edtd.), Computer Technology of Higher Education : A desing model for a computerizing University .
- Achuthan saral, Agrawal B. C. (edtd.), 'GIST provides a very innovative solution for Indian Language computing Computer Technology for Higher Education : A design model for a computerizing University.
- S. Y. Shah (edtd), New Technologies in Higher Education, JNU, AIU
- देवनागरी टाइपराइटिंग प्रशिक्षण, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार
- अली इकबाल मुज्जफर, सलिल सुरेश, कम्प्यूटर सहजबोध, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- बंसल राम 'विज्ञाचार्य', कम्प्यूटर सूचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- मिश्र विनोदकुमार, आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र IV

भाषा विज्ञान तथा अभिकलनात्मक भाषाविज्ञान

उद्देश्य :

- भाषाविज्ञान के परिचय तथा उसके स्वरूप को स्पष्ट कराना।
- भाषाविज्ञान तथा सैद्धांतिक अनुप्रयुक्त के स्वरूप की जानकारी लेना।
- भाषाविज्ञान की सहयोगी शाखाओं पर प्रकाश डालना।
- अभिकलनात्मक भाषाविज्ञान के स्वरूप से छात्रों को अवगत कराना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - भाषाविज्ञान का परिचय

इकाई 2 - Unit 2 - भाषाविज्ञान : सैद्धांतिक तथा अनुप्रयुक्त

इकाई 3 - Unit 3 - भाषाविज्ञान की सहयोगी शाखाएँ

इकाई 3 - Unit 4 - अभिकलनात्मक भाषाविज्ञान का परिचय

संदर्भ पुस्तकें :

- तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल एजेन्सीज, इलाहाबाद : संस्करण 2000
- डॉ. वत्स जितेंद्र, डॉ. सिंह देवेन्द्र प्रसाद ,भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा, निर्मल पब्लिकेशन्स,**नई** दिल्ली. 2009
- डॉ. श्रीमाल नेमीचन्द,भाषा विज्ञान,श्रुति पब्लिकेशन्स,जयपुर.2008
- तिवारी भोलानाथ, हिंदी भाषा, किताब महल एजेन्सीज, इलाहाबाद.1999
- डॉ. रामप्रकाश,डॉ. गुप्त दिनेश कुमार, अनुप्रयोगात्मक हिन्दी, राधाकृष्ण प्रकाशन,**नई** दिल्ली,2013
- डॉ. वासवाणी किशोर,राजभाषा हिंदी : विवेचना और प्रयुक्ति, वाणी प्रकाशन
- श्रीवास्तव रविंद्रनाथ, अनुप्रयुक्त भाषा–विज्ञान सिध्दांत एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली : संस्करण 2000
- डॉ. श्रीमाल नेमीचन्द – भाषा विज्ञान, श्रुति पब्लिकेशन्स, जयपुर : प्रथम संस्करण 2008

प्रश्नपत्र V

स्वन तथा रूप विज्ञान

उद्देश्य:

- स्वन विज्ञान का स्वरूप, उसका परिचय तथा वर्गीकरण पर प्रकाश डालना।
- स्वनिम विज्ञान का स्वरूप तथा उसकी विविध शाखाओं और विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
- रूप विज्ञान का अर्थ, स्वरूप की जानकारी लेना।
- रूपिम का अर्थ, आवश्यकता और उसके प्रकारों की जानकारी लेना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - स्वन (ध्वनि) विज्ञान : परिचय तथा वर्गीकरण

इकाई 2 - Unit 2 - स्वनिम विज्ञान : स्वरूप, शाखाएँ और विशेषताएँ

इकाई 3 - Unit 3 - रूप विज्ञान : परिचय

इकाई 4 - Unit 4 - रूपिम : आवश्यकता, प्रकार

संदर्भ पुस्तकें :

- डॉ. रामप्रकाश ,डॉ. गुप्त दिनेश, भाषा : संरचना एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- ब्रजमोहन, अर्थविज्ञान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताब महल एजेन्सीज, इलाहाबाद : संस्करण 2000
- डॉ श्रीमाल नेमीचन्द ,भाषा विज्ञान, श्रुति पब्लिकेशन्स, जयपुर : प्रथम संस्करण 2008
- डॉ. वत्स जितेंद्र, डॉ. सिंह देवेन्द्र प्रसाद,भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा, निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली : प्रथम संस्करण 2009

प्रश्नपत्र VI

वाक्य तथा अर्थविज्ञान

उद्देश्य:

- वाक्य विज्ञान का अर्थ, स्वरूप आदि की विस्तृत जानकारी लेना।
- वाक्य परिवर्तन का स्वरूप, दिशाएँ तथा उसके कारणों से छात्रों को अवगत कराना।
- अर्थ विज्ञान के स्वरूप पर प्रकाश डालना।
- अर्थ का स्वरूप तथा अर्थ परिवर्तन के विविध कारणों की जानकारी लेना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - वाक्य विज्ञान : परिचय

इकाई 2 - Unit 2 - वाक्य परिवर्तन : दिशाएँ तथा कारण

इकाई 3 - Unit 3 - अर्थ विज्ञान : परिचय

इकाई 4 - Unit 4 - अर्थ : परिवर्तन के कारण

संदर्भ पुस्तकें :

- डॉ. रामप्रकाश, डॉ. गुप्त दिनेश, भाषा : संरचना एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ – भाषा विज्ञान, किताब महल एजेन्सीज, इलाहाबाद : संस्करण 2000
- डॉ श्रीमाल नेमीचन्द – भाषा विज्ञान, श्रुति पब्लिकेशन्स, जयपुर : प्रथम संस्करण 2008
- डॉ. वत्स जितेंद्र, डॉ. सिंह देवेन्द्र प्रसाद, भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा, निर्मल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली : प्र.सं. 2009
- तिवारी भोलानाथ, हिन्दी भाषा की आर्थी संरचना, राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ,हिन्दी भाषा की सामाजिक संरचना, राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ, हिन्दी भाषा की संधि संरचना, राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ,हिन्दी भाषा की वाक्य संरचना, राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद,नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ,हिन्दी भाषा की ध्वनि संरचना, राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- तिवारी भोलानाथ,हिन्दी भाषा की रूप संरचना, राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद,नई दिल्ली

प्रश्नपत्र VII

हिंदी भाषा की संरचना

उद्देश्य :

- हिंदी भाषा के स्वरूप को समझाना।
- हिंदी के क्षेत्र, उसकी विविध उपभाषाएँ तथा उनकी विविध बोलियों से छात्रों को अवगत कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कराना।
- अनुप्रयोगात्मक हिंदी का अर्थ, स्वरूप पर प्रकाश डालना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - हिंदी भाषा : स्वरूप

इकाई 2 - Unit 2 - हिंदी के क्षेत्र, उपभाषाएँ तथा बोलियाँ

इकाई 3 - Unit 3 - हिंदी भाषा का व्याकरण

इकाई 4 - Unit 4 - अनुप्रयोगात्मक हिंदी

संदर्भ पुस्तकें :

- गुरु कामताप्रसाद, हिन्दी व्याकरण, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
- त्रिपाठी रूपनारायण, अभिनव हिन्दी व्याकरण, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
- डॉ. प्रकाश राम,गुप्त दिनेश, सम्प्रेषण हिन्दी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- सिंह शंकर दयाल, हिन्दी : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा, किताबघर प्रकाशन,नई दिल्ली
- वशिष्ठ सरिता – भाषा विज्ञान, राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद, नई दिल्ली
- संघर्षी संतराम – हिन्दी भाषा एवं साहित्य, राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र VIII

प्रायोगिक तथा परियोजना कार्य ।

उद्देश्य :

- पठित सामग्री का प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त कराना ।
- पाठ्यक्रम के आधार पर रचना का भाषिक विश्लेषण कराना ।
- पाठ्यक्रम के आधार पर किसी साहित्यिक रचना पर लघुपट बनाना ।

पाठ्यविषय :

- संगणक तथा भाषिक अनुप्रयोग
- किसी रचना का भाषिक विश्लेषण
- किसी साहित्यिक रचना पर लघुपट निर्माण

एम. ए. भाग II

सत्र परीक्षा III

प्रश्नपत्र -IX

प्राकृतिक भाषा संसाधन

उद्देश्य :

- प्राकृतिक भाषा की जानकारी प्राप्त करना और अप्राकृतिक भाषा के स्वरुप को समझाना।
- भाषावैज्ञानिक अध्ययन में संगणक के उपयोगिता की जानकारी लेना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन के बारे में जानकारी प्राप्त कराना।
- वृक्ष सलग्न व्याकरण प्रणाली के स्वरूप को समझाना।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - प्राकृतिक भाषा तथा अप्राकृतिक भाषा : स्वरूप अंतर

इकाई 2 - Unit 2 - भाषावैज्ञानिक अध्ययन में संगणक का उपयोग

इकाई 3 - Unit 3 - प्राकृतिक भाषा संसाधन : परिचय

इकाई 4 - Unit 4 - वृक्ष संलग्न व्याकरण प्रणाली

संदर्भ पुस्तकें :

- अली इकबाल मुज्जफर, सलिल सुरेश, कम्प्यूटर सहजबोध, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- बंसल राम 'विज्ञाचार्य', कम्प्यूटर सूचना प्रणाली विकास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- मिश्र विनोदकुमार, आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- वर्मा निधि, कम्प्यूटर बेसिक्स : उपकरण, तकनीक एवं महत्त्व, आलेख प्रकाशन,नई दिल्ली

प्रश्नपत्र X

भाषा सॉफ्टवेयर्स

उद्देश्य :

- भाषा के विविध सॉफ्टवेअर का परिचय कराना तथा उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालना ।
- संगणक की भाषिक अनुप्रयोगों की जानकारी तथा उसके सहायक उपकरणों से छात्रों को अवगत कराना।
- भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी का स्वरूप, विकास तथा उसकी विविध योजनाओं का परिचय कराना ।
- हिन्दी के विविध सॉफ्टवेअर तथा उसके कार्यान्वयन की जानकारी प्राप्त कराना ।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - भाषा सॉफ्टवेयर्स - परिचय तथा उपयोगिता

इकाई 2 - Unit 2 - भाषिक अनुप्रयोग तथा सहायक उपकरण

इकाई 3 - Unit 3 - भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी का विकास: विविध योजनाएँ

इकाई 4 - Unit 4 - हिन्दी के विविध सॉफ्टवेयर्स तथा कार्यान्वयन

संदर्भ पुस्तकें :

- इस्फोक ,टाइप फेसेस ,सी-डैक, जिस्ट-पुणे ,2003
- मल्होत्रा विजयकुमार,संगणक के भाषिक अनुप्रयोग,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,1998

प्रश्नपत्र XI

मशीनी अनुवाद

उद्देश्य :

- अनुवाद का स्वरूप, अर्थ तथा उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालना ।
- मशीनी अनुवाद की अवधारणा तथा विकास की जानकारी लेना ।
- मशीनी अनुवाद का स्वरूप, अर्थ तथा उसके विकासक्रम से छात्रों अवगत कराना ।
- मशीनी अनुवाद के विविध सहायक उपकरणों की जानकारी लेना ।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - अनुवाद - स्वरूप, उपयोगिता

इकाई 2 - Unit 2 - मशीनी अनुवाद : अवधारणा तथा विकास

इकाई 3 - Unit 3 - मशीनी अनुवाद : प्रक्रिया तथा विविध सॉफ्टवेयर्स

इकाई 4 - Unit 4 - मशीनी अनुवाद : विविध सहायक उपकरण

संदर्भ पुस्तकें :

- डॉ. कुलश्रेष्ठ रामप्रकाश, अनुवाद : प्रक्रिया और तकनीकी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
- तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
- Bloomsfieled Leonard , Language: New York, Holt, Rinchard and Winston, 1993.
- Bott M. F. Computational Linguistics : New Horizons in Linguistics: cdj. Lyons, pp. 215-28 Harmonds worth : penguin.
- Chellamuthu, K. C , Techniques of A. I. for Machine Translation: Natural Seminar on Computer Assisted Language Learning , New Delhi , 1987.
- Dasgupta Probal , Computational Grammar for Machine Translation a linguistic perspective: Invited paper for National workshop on Technology support for Indian Language, I.I.T Kanpur, 1991.
- Laxmibai B. , A case Grammar of Hindi : Central Institute of Hindi, Agra, 1973.
- Malinnowski B , The problems of meaning in primitive Languages , Supplement to Ogden and Richreads, the meaning of meaning: Kegal Paul, London , 1923

प्रश्नपत्र XII

अंतरताना: इतिहास तथा संरचना

उद्देश्य:

- नेटवर्किंग तथा अंतरताना का अर्थ, स्वरूप और विकास के बारे में जानकारी लेना ।
- नेटवर्किंग तथा अंतरताना के घटक,प्रकार तथा उसके भाषिक अनुप्रयोग से छात्रों को अवगत कराना ।
- संलेखन भाषाएँ, टैग संरचना प्रलेख प्रस्तुति तथा धृति प्रकार के स्वरूप को समझाना।
- जालसाधित भाषिक प्रणाली पर प्रकाश डालना ।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1 - Unit 1 - नेटवर्किंग तथा अंतरताना : स्वरूप तथा विकास

इकाई 2 - Unit 2 - नेटवर्किंग तथा अंतरताना: घटक,प्रकार तथा भाषिक अनुप्रयोग

इकाई 3 - Unit 3 - संलेखन भाषाएँ, टैग संरचना, प्रलेख प्रस्तुति तथा धृति प्रकार

इकाई 4 - Unit 4 - जालसाधित भाषिक प्रणाली

संदर्भ पुस्तकें :

- Prof. Varanasi Lalini, Prof. V.Sudhakar, Computer Education, Neelkamal Publications PVT. Hyderaba.
- Dr. T. Mrunalini, Prof. Dr. M.S.Padmini, Computer Education, Neelkamal Publications PVT. Hyderaba.
- Dr. T. Mrunalini, Prof. Dr. M.S.Padmini, Internet Education, Neelkamal Publications PVT. Hyderabad.
- Zitirain Janathan, The Future at the Internet and How to stop It, Yale University Press.

प्रश्नपत्र XIII

संगणकीय सम्प्रेषण तथा जाल प्रकाशन

उद्देश्य:

- संगणकीय सम्प्रेषण,स्वरूप तथा संरचना के विषय में जानकारी देना ।
- संगणकीय सम्प्रेषण,तंत्रण वर्गीकरण तथा तंत्रीय उपादेयता को समझाना ।
- जाल प्रकाशन, स्वरूप तथा विकास पर प्रकाश डालना ।
- जाल प्रकाशन , भाषिक अभिव्यक्ति तथा रचनाओं को समझाना ।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - संगणकीय सम्प्रेषण - स्वरूप तथा संरचना

इकाई 2 - Unit 2 - संगणकीय सम्प्रेषण - तंत्रण वर्गीकरण तथा तंत्रीय उपादेयता

इकाई 3 - Unit 3 - जाल प्रकाशन - स्वरूप तथा विकास

इकाई 4 - Unit 4 - जाल प्रकाशन - भाषिक अभिव्यक्ति तथा रचनाएँ

संदर्भ पुस्तकें :

- Prof. Varanasi Lalini, Prof. V.Sudhakar, Web publication, Neelkamal Publications PVT. Hyderaba.
- Dr. T. Mrunalini, Prof. Dr. M.S.Padmini, Computer Communication, Neelkamal Publications PVT. Hyderaba.
- Zitirain Janathan, The Future at the Internet and How to stop It, Yale University Press.
- Kerrisk Michael, The Linux Progromming Interface.
- वाचस्पति अविनाश,हिन्दी का ब्लॉग साहित्य,हिन्दी साहित्य निकेतन, बिजनौर ,2008
- प्रभात रवींद्र, हिन्दी ब्लॉगिंग का इतिहास, हिन्दी साहित्य निकेतन, बिजनौर ,2010
- वाचस्पति अविनाश, प्रभात रवींद्र, हिन्दी ब्लॉगिंग:अभिव्यक्ति की नई क्रांति, हिन्दी साहित्य निकेतन, बिजनौर ,2010

प्रश्नपत्र XIV

धृति तथा कार्पस निर्माण

उद्देश्य:

- धृति स्वरूप केई विषय में जानकारी प्राप्त कराना ।
- धृति निर्माण पीएआर प्रकाश डालना ।
- कार्पस स्वरूप का ज्ञान अवगत कराना ।
- कार्पस निर्माण समझाना ।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - धृति : स्वरूप

इकाई 2 - Unit 2 - धृति निर्माण

इकाई 3 - Unit 3 - कार्पस : स्वरूप

इकाई 4 - Unit 4 - कार्पस : निर्माण

संदर्भ पुस्तकें :

- Sebeok Thomas . K , Materials for a typology of Dictionaries in Linguistics : 11 , 1962 .
- Singh Surajbhan , A feature analysis of equational sentences in Hindi in India Linguistics: 40(1), 1979.
- Tosh W , Computer Linguistics : In A.A. Hill(ed.) Linguistics. Voice of America forum Lectures, Washington , 1969.
- Willis Dave , the Lexical syllabus : Collins , London ,1990.
- Wingorad Terry,Understanding Natural Language: Edinburgh University press , 1973.
- Hill McGraw, Database System Concepts-Abraham Silberschatz and Hank akorth.

प्रश्नपत्र XV

हिन्दी साहित्यिक रचनाएँ,कोश तथा लघुपट निर्माण

उद्देश्य:

- हिन्दी साहित्य विधाओं का अध्ययन कराना ।
- कोश निर्माण प्रक्रिया को समझाना ।
- लघुपट संरचना पर प्रकाश डालना ।
- लघुपट निर्माण प्रक्रिया को स्पष्ट रूप में समझाना ।

पाठ्यविषय :

इकाई 1 - Unit 1 - हिन्दी साहित्य विधाएँ

इकाई 2 - Unit 2 - कोश निर्माण:प्रक्रिया

इकाई 3 - Unit 3 - लघुपट संरचना

इकाई 4 - Unit 4 - लघुपट निर्माण प्रक्रिया

संदर्भ पुस्तकें :

- Elaine Rich, Aritificial Intelligence : Mc-graw-Hill International book company, 1983.
- Grishaman Ralph , Computational Linguistics - An introductional : Central Institute of Mathematical Sciences , New York University, NY, 1986.
- Harris Z. Methods in structural Linguistics: University of Chicago press, Chicago , 1951.
- Jain Abhilasha ,Theta-rules in syntax: A theory of some dependents elements of Hindi: Ph. D. dissertation, I.I.T. Kanpur. 1990 .
- Katz J.J.& Fodor J. A. , The Structure of a Semantic Theory : Languge , Vol-39 , No.2(part-I), 170-210. , 1963.
- Knowles F. E, The pivotal role of the various dictionaries in a MT system: V. Lawson (ed) practical experience of MT.Amsterdam: North Holland, 1982.
- Leech G. N. Towards a Semantic Description of English Language: London, 1969.
- Laxmibai B, A case Grammar of Hindi: Central Institute of Hindi, Agra, 1973.
- Malinnowski B, The problems of meaning in primitive Languages, Supplement to Ogden and Richreads, the meaning of meaning: Kegal Paul, London , 1923.

प्रश्नपत्र XVI

प्रायोगिक तथा परियोजना कार्य II

उद्देश्य:

- किसी रचना का कोशीय विश्लेषण कराना।
- किसी रचना का धृति संसाधन कराना ।
- किसी रचना का वृक्ष संलग्न प्रणाली अंतर्गत विश्लेषण कराना ।
- किसी रचना पर लघुपट निर्माण कराना ।

पाठ्यविषय :

किसी रचना का कोशीय विश्लेषण/

किसी रचना का धृति संसाधन /

किसी रचना का वृक्ष संलग्न प्रणाली अंतर्गत विश्लेषण /

किसी रचना पर लघुपट निर्माण